J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:25.09.2022

THE IMPRESSIVE TIMES

Climate change is a big problem for the coming generations: MoS Krishnapal Gurjar

Yuvraj Kumar
info@impressivetimes.com

FARIDABAD: Under the joint aegis of Bharat Seva Pratishthan Faridabad and Green India Foundation Trust, J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad organised the two day National Conference 'Eco-2022' organized by on Air, Water and Land started today. In the inaugural session of the conference, Union Minister of Energy and Heavy Industries, Shri Krishan Pal Gurjar was the chief guest. On this occasion, National Co-convener of Rashtriya Swayamsevak Sangh's environmental activities, Shri Rakesh Jain, keynote speaker and famous water conservationist, popularly known as "Waterman of India", Dr. Rajendra Singh was the special guest. The session was presided over by the Vice Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar and Chairman of Bharat Seva Pratishthan, Faridabad, Shri Shri Krishna Singhal. On this occasion, the President of Green India Foundation, Dr. Jagdish Chaudhary and Registrar Dr. S.K. Garg was also present. Six technical sessions are being organized during the conference, in which more than 20 expert speakers will brainstorm on various aspects related to air, water and land. Speaking on the relevance of the theme of the conference, Union Minister Shri Krishnapal Gurjar said that climate change is a cause of great distress for the generations to come. Referring to the targets set by India on climate change by 2030 in the United Nations Climate Change Framework Conference (COP-21), the Union Minister of State for Energy said that in COP-21, Prime Minister Shri Narendra Modi has achieved 40 percent of its electricity potential by 2030. Percentage has been committed to get it from non-fossil energy sources, which the country has achieved in November 2021 itself. The country has set a target of meeting 50 percent of its energy needs from renewable energy by 2030, for which concerted efforts are being made.

> **UNION MINISTER SHRI KRISHNAPAL GURJAR SAID THAT CLIMATE CHANGE IS A CAUSE OF GREAT DISTRESS FOR THE GENERATIONS TO COME. REFERRING TO THE TARGETS ..**

NEWS CLIPPING:25.09.2022

THE IMPRESSIVE TIMES

Two-day national conference 'Eco-2022' concluded at J C Bose University

Deepti
info@impressivetimes.com

FARIDABAD: Under the joint aegis of Bharat Seva Pratishthan Faridabad and Green India Foundation Trust, J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad. The two day National Conference 'Eco-2022' organized by on the theme of Air, Water and Land concluded. Chairman, National Green Tribunal, Justice Shri Adarsh Goel was the keynote speaker in the concluding session. Renowned environmentalist and Padma Vibhushan Dr. Anil Prakash Joshi was the chief guest in the concluding session. Haryana State Pollution Control Board Chairman, Mr. P. Raghavendra Rao and Padmashree Sant Balbir Singh Seechewal, popularly known as Eco-Baba, were the special guests in the session. On this occasion, the Registrar of the University, Dr. S.K. Garg, Chairman of Bharat Seva Pratishthan Faridabad, Shri Shri Krishna Singhal and President of Green India Foundation, Dr. Jagdish Chaudhary were also present. Addressing the session, Justice Adarsh Goel said that Indian thinking towards environment and nature has always been revered. But in the race of industrialization and modernization, we have left behind environmental values. We have to follow the basic idea of development, which is environment friendly. Instead of relying on the government for environmental protection, we all have to come forward ourselves. The government is doing its job, but citizens must also contribute to environmental sustainability. Along with strict laws, it should also be taken as a moral responsibility to conserve nature.

NEWS CLIPPING:25.09.2022

AAJ SAMAJ

कार्यक्रम

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' संपन्न

पर्यावरण संरक्षण को बनाना होगा जन-आंदोलनः न्यायमूर्ति आदर्श गोयल

कर्ण पराशर

फरीदाबाद। भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा वायु, जल और भूमि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' संपन्न हो गया।

समापन सत्र में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के चेयरमैन न्यायमूर्ति आदर्श गोयल मुख्य वक्ता रहे। जाने-माने पर्यावरणविद् एवं पदम विभूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी समापन सत्र में मुख्य अतिथि रहे। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पी. राघवेन्द्रा राव तथा इको-बाबा के नाम से लोकप्रिय पद्मश्री संत बलबीर सिंह सींचेवाल सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद के चेयरमैन श्रीकृष्ण सिंघल तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश चौधरी भी उपस्थित थे।

सत्र को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति आदर्श गोयल ने कहा कि पर्यावरण और प्रकृति के प्रति भारतीय सोच हमेशा पूजनीय रही है। लेकिन औद्योगिकीकरण एवं आधुनिकीकरण की होड़ में हमने पर्यावरणीय मूल्यों को पीछे छोड़ दिया है। हमें विकास के मूल विचार को लेकर चलना होगा, जोकि

संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति आदर्श गोयल।

पर्यावरण हितैषी हो। पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार पर निर्भर रहने की बजाये हम सबको खुद आगे आना होगा। सरकार अपना काम कर रही है, लेकिन नागरिकों को भी पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान देना चाहिए। सख्त कानूनों के साथ-साथ इसे प्रकृति के संरक्षण को नैतिक जिम्मेदारी के रूप में भी लिया जाना चाहिए। पर्यावरण संतुलन के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को नियंत्रित करना अभी सरकार के हाथों में है, जोकि नाकाफी है। यह प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर पर भी करना चाहिए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को एक जन-आंदोलन का रूप देने पर बल दिया।

इससे पहले, सम्मेलन में विशेषज्ञ वक्ता रहे वाटरमैन ऑफ इंडिया के रूप में लोकप्रिय प्रसिद्ध जल संरक्षणवादी डॉ. राजेन्द्र सिंह ने जल संकट से निपटने के लिए पारंपरिक जल प्रणाली अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गिरते भूजल को नियंत्रित करने के लिए जल संचयन के लिए गांव में तालाबों और जोहड़ों को पुनर्जीवित करना होगा। राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. अरविंद गुप्ता ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में 200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया तथा पर्यावरण एवं संबंधित विषयों पर लगभग 100 शोध कार्यों पर तकनीकी सत्रों में चर्चा हुई। सम्मेलन के दौरान कुल सात सत्र आयोजित किए गए। सत्र में 10 से ज्यादा राज्यों के प्रतिभागियों की भागीदारी रही, जिसमें हरियाणा के अलावा दिल्ली, पंजाब, हिमाचल, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तप्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा मध्यप्रदेश शामिल हैं। सत्र के अंत में कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय सम्मेलन भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद के चेयरमैन श्रीकृष्ण सिंघल तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश चौधरी की देखरेख में संपन्न हुआ।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:25.09.2022

DAINIK BHASKAR

पर्यावरण संरक्षण के लिए सबको आगे आना होगा

'इको-2022' के समापन पर बोले- आदर्श गोयल

राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते चेयरमैन न्यायमूर्ति आदर्श गोयल।

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

भारत सेवा प्रतिष्ठान व ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वायु, जल और भूमि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' संपन्न हो गया। समापन सत्र में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के चेयरमैन न्यायमूर्ति आदर्श गोयल मुख्य वक्ता थे। जबकि पर्यावरणविद एवं पदम विभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी मुख्य अतिथि थे।

NEWS CLIPPING:25.09.2022

HADOTI ADHIKAR

पर्यावरण संरक्षण को बनाना होगा जन-आंदोलन : न्यायमूर्ति गोयल

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' संपन्न : 17 विशेषज्ञ वक्ताओं ने वायु, जल एवं भूमि से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-मंथन किया

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 24 सितम्बर। भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा वायु, जल और भूमि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' शनिवार को संपन्न हो गया। समापन सत्र में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के चेयरमैन न्यायमूर्ति आदर्श गोयल मुख्य वक्ता रहे। जाने-माने पर्यावरणविद एवं पदम विभूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी समापन सत्र में मुख्य अतिथि रहे। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पी. राघवेन्द्रा राव तथा इको-बाबा के नाम से लोकप्रिय पदमश्री संत बलबीर सिंह सीचेवाल सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग, भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद के चेयरमैन श्रीकृष्ण सिंघल तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश चौधरी भी उपस्थित थे।

सत्र को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति आदर्श गोयल ने कहा कि पर्यावरण और प्रकृति के प्रति भारतीय सोच हमेशा पूजनीय रही है। लेकिन औद्योगिकीकरण एवं आधुनिकीकरण की होड़ में हमने पर्यावरणीय मूल्यों को पीछे छोड़ दिया है। हमें विकास के मूल विचार को लेकर चलना होगा, जोकि पर्यावरण हितैषी हो। पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार पर निर्भर रहने की बजाये हम सबको खुद आगे आना होगा। सरकार अपना काम कर रही है, लेकिन नागरिकों को भी पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान देना चाहिए। इससे पहले, सम्मेलन में विशेषज्ञ वक्ता रहे वाटरमैन ऑफ इंडिया के रूप में लोकप्रिय प्रसिद्ध जल संरक्षणवादी डॉ. राजेन्द्र सिंह ने जल संकट से निपटने के लिए पारंपरिक जल प्रणाली अपनाने पर बल दिया।

राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ अरविन्द गुप्ता ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में 200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया तथा पर्यावरण एवं संबंधित विषयों पर लगभग 100 शोध कार्यों पर तकनीकी सत्रों में चर्चा हुई। सम्मेलन के दौरान कुल सात सत्र आयोजित किये गये तथा इन सत्रों में 17 विशेषज्ञ वक्ताओं ने वायु, जल एवं भूमि से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-मंथन किया। सत्र में 10 से ज्यादा राज्यों के प्रतिभागियों की भागीदारी रही, जिसमें हरियाणा के अलावा दिल्ली, पंजाब, हिमाचल, राजस्थान, उत्तराखण्ड, उत्तप्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा मध्यप्रदेश शामिल हैं। सत्र के अंत में कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। राष्ट्रीय सम्मेलन भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद के चेयरमैन श्रीकृष्ण सिंघल तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश चौधरी की देखरेख में संपन्न हुआ।

NEWS CLIPPING:25.09.2022

AMAR UJALA

पर्यावरण संरक्षण को बनाना होगा जन-आंदोलन

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (विवि) में वायु, जल और भूमि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ईको-2022 संपन्न हुआ। समापन सत्र में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के चेयरमैन न्यायमूर्ति आदर्श गोयल मुख्य वक्ता रहे। न्यायमूर्ति आदर्श गोयल ने कहा कि पर्यावरण और प्रकृति के प्रति भारतीय सोच हमेशा पूजनीय रही है। औद्योगिकीकरण एवं आधुनिकीकरण की होड़ में हमने पर्यावरणीय मूल्यों को पीछे छोड़ दिया। हमें विकास के मूल विचार को लेकर चलना होगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार पर निर्भर रहने की बजाय खुद आगे आना होगा। सख्त कानूनों के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण नैतिक जिम्मेदारी भी होनी चाहिए। विशेषज्ञ वक्ता रहे वाटरमैन ऑफ इंडिया के नाम से मशहूर जल संरक्षणवादी डॉ. राजेंद्र सिंह ने जल संकट से निपटने के लिए पारंपरिक जल प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। संवाद

NEWS CLIPPING:25.09.2022

PIONEER

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' संपन्न

फरीदाबाद। भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा वायु, जल और भूमि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' संपन्न हो गया। समापन सत्र में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के चेयरमैन न्यायमूर्ति आदर्श गोयल मुख्य वक्ता रहे। जाने-माने पर्यावरणविद एवं पदम विभूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी समापन सत्र में मुख्य अतिथि रहे। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पी. राघवेन्द्रा राव तथा इको-बाबा के नाम से लोकप्रिय पदमश्री संत बलबीर सिंह सीचेवाल सत्र में विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद के चेयरमैन श्रीकृष्ण सिंघल तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश चौधरी भी उपस्थित थे। राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ अरविन्द गुप्ता ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में 200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया तथा पर्यावरण एवं संबंधित विषयों पर लगभग 100 शोध कार्यों पर तकनीकी सत्रों में चर्चा हुई। सम्मेलन के दौरान कुल सात सत्र आयोजित किये गये तथा इन सत्रों में 17 विशेषज्ञ वक्ताओं ने वायु, जल एवं भूमि से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-मंथन किया।